

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

कभी भी मूड ऑफ या परिवर्तन क्यों होता है?

बापदादा 22.03.1996

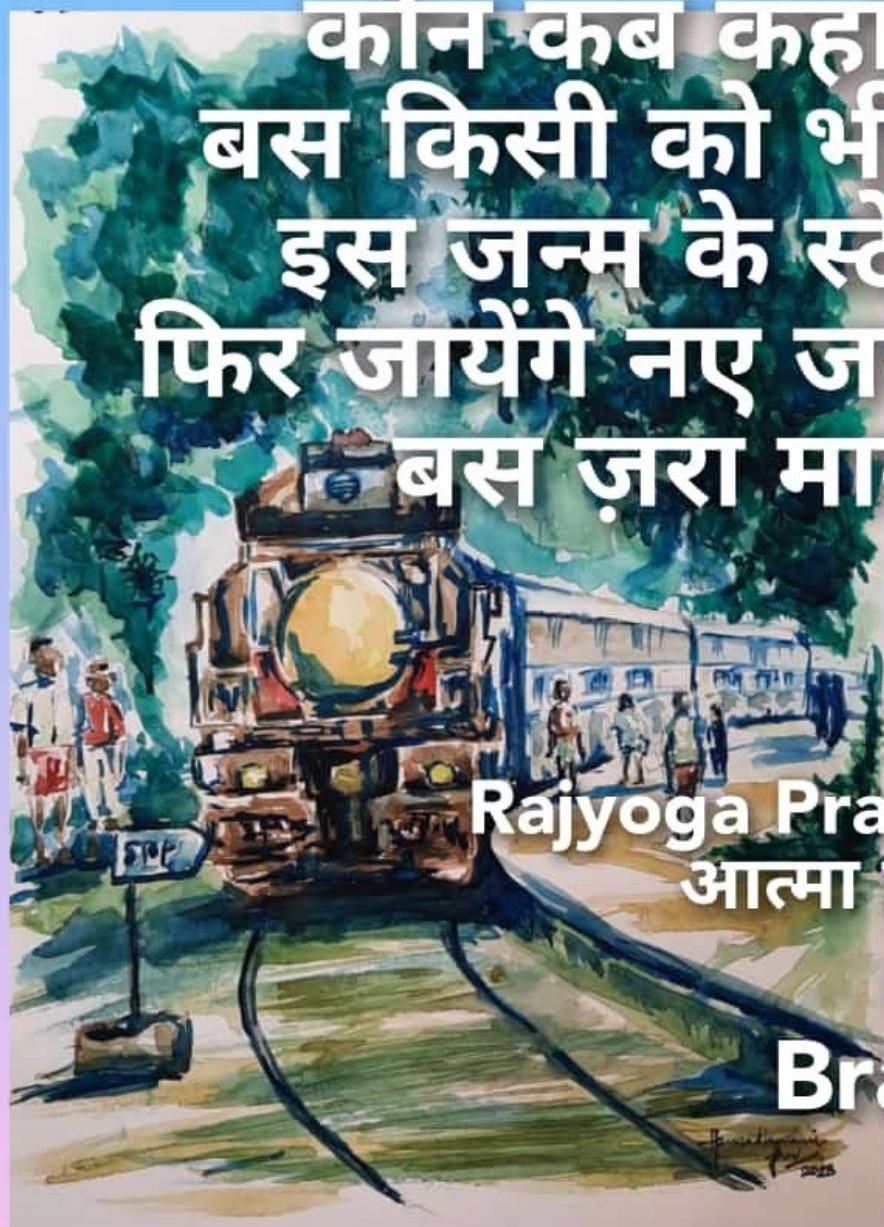
ब्राह्मण जीवन की मूड सदा चियरफुल और केयरफुल। मूड बदलना नहीं चाहिए। फिर रॉयल रूप में कहते हैं आज मुझे बड़ी एकान्त चाहिए। क्यों चाहिए? क्योंकि सेवा वा परिवार से किनारा करना चाहते हैं, और कहते हैं शान्ति चाहिए, एकान्त चाहिए। आज मूड मेरा ऐसा है। तो मूड नहीं बदली करो। कारण कुछ भी हो, लेकिन आप कारण को निवारण करने वाले हो, कि कारण में आने वाले हो? निवारण करने वाले। ठेका क्या लिया है? कॉन्ट्रैक्टर हो ना? तो क्या कॉन्ट्रैक्ट लिया है? कि प्रकृति की मूड भी चेंज करेंगे। प्रकृति को भी चेंज करना है ना? तो प्रकृति को परिवर्तन करने वाले अपने मूड को नहीं परिवर्तन कर सकते? मूड चेंज होती है कि नहीं? कभी-कभी होती है? फिर कहेंगे सागर के किनारे पर जाकर बैठते हैं, ज्ञान सागर नहीं, स्थूल सागर। फॉरेनर्स ऐसे करते हैं ना? या कहेंगे आज पता नहीं अकेला, अकेला लगता है। तो बाप का कम्बाइण्ड रूप कहाँ गया? अलग कर दिया? कम्बाइण्ड से अकेले हो गये, क्या इसी को प्यार कहाँ जाता है? तो किसी भी प्रकार का मूड, एक होता है - मूड ऑफ, वह है बड़ी बात, लेकिन मूड परिवर्तन होना यह भी ठीक नहीं। मूड ऑफ वाले तो बहुत भिन्न-भिन्न प्रकार के खेल दिखाते हैं, बापदादा देखते हैं, बड़ों को बहुत खेल दिखाते हैं या अपने साथियों को बहुत खेल दिखाते हैं। ऐसा खेल नहीं करो। क्योंकि बापदादा का सभी बच्चों से प्यार है। बापदादा यह नहीं चाहता कि जो विशेष निमित्त हैं, वह बाप समान बन जाएं और बाकी बने या नहीं बनें, नहीं। सबको समान बनाना ही है, यही बापदादा का प्यार है।

आखिर वह दिन आया आज,
जो हम बाप के सम्मुख हुए हैं..



POWER OF HAPPINESS

हम आत्माएं मुसाफिर ही तो है
जीवन रेल के,
कौन कब कहां उतर जाए,
बस किसी को भी मालूम नहीं ,
इस जन्म के स्टेशन से उतर
फिर जायेंगे नए जन्म में कहां कहीं
बस ज़रा मालूम नहीं !



Rajyoga Practice _ मैं अविनाशी
आत्मा हूं ,शरीर नहीं।

Om shanti
Brahmakumaris



"टेंशन में अटेंशन रहे"

मुख्य संस्कार भरने का समय अभी है। आत्मा में हर जन्म के संस्कारों का रिकार्ड इस समय भर रहे हो। तो रिकार्ड भरने के समय सेकेण्ड-सेकेण्ड का अटेंशन रखा जाता है। किसी भी प्रकार के टेंशन (तनाव) का अटेंशन; टेंशन में अटेंशन रहे। अगर किसी भी प्रकार का टेंशन होता है, तो रिकार्ड ठीक नहीं भर सकेगा। सदा काल के लिए श्रेष्ठ नाम के बजाए, यही गायन होता रहेगा कि जितना अच्छा भरना चाहिए, उतना नहीं भरा है। **इसलिए हर प्रकार के टेंशन से परे, स्वयं और समय का, बाप के साथ का अटेंशन रखते हुए सेकेण्ड-सेकेण्ड का, पार्ट बजाओ।** मास्टर सर्वशक्तिवान, आलमाइटी अथॉरिटी की सन्तान - ऐसी नॉलेजफुल आत्माओं में टेंशन का आधार दो शब्द हैं। कौन से दो शब्द? 'क्यों और क्या?' किसी भी बात में, यह क्यों हुआ? यह क्या हुआ? जब यह दो शब्द बुद्धि में आ जाते हैं, तब किसी भी प्रकार का टेंशन पैदा होता है। लेकिन संगमयुगी श्रेष्ठ पार्टधारी आत्माएं क्यों, क्या का टेंशन नहीं रख सकती हैं, क्योंकि सब जानते हैं। **'साक्षी और साथीपन' की विशेषता से, ड्रामा के हर पार्ट को बजाते हुए कभी टेंशन नहीं आ सकता।**

“ हम औरों को दुख देते नहीं हैं,
लेकिन उनके व्यवहार से उनसे
दुख ले लेते हैं।

फिर कई घंटे, दिन या साल,
अपने को दुख देते रहते हैं।

किसी को दुख देना नहीं और
किसी से दुख लेना नहीं।

“ मैं सुखस्वरूप आत्मा हूँ ”



-BK SHIVANI

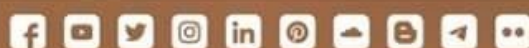
facebook.com/BKShivani

youtube.com/BKShivani

*"Only you can heal yourself
& that is because only you
can hurt yourself."*



BRAHMA KUMARIS





Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org